Title: Made a statement regarding incidents relating to the Aligarh Muslim University.

17.02 hrs.

मानव संसाधन विकास मंत्री तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (डा.मुरली मनोहर जोशी):माननीय सदस्यों को जैसा कि ज्ञात होगा कि पिछले कुछ समय से अ लीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के परिसर में असन्तोष की स्थिति है। विश्वविद्यालय के अधीन मैडिकल कालेज के जूनियर डॉक्टरों द्वारा कुछ समय से केन्द्र सरकार द्वारा कालेज व विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए स्वीकृत किये गये संशोधित वेतनमानों के तुरंत क्रियान्वयन की मांग की जा रही थी। चूंकि इस मामले पर ि वश्वविद्यालय अनुदान आयोग ध्यान दे रहा था अतः कुलपति द्वार उस समय उनके स्तर पर कोई कार्रवाई की जानी संभव नहीं थी। दुर्भाग्यवश, लगभग उन्हीं दिनों मेडिकल कालेज के एक जूनियर डॉक्टर को एक महिला रोगी के साथ छेड़खानी करने के आरोप के कारण निलंबित करना पड़ा। तत्पश्चात्, जूनियर डॉक्टरों ने संशोधित वेतनमानों के क्रियान्वयन तथा उस जूनियर डॉक्टर की बहाली के लिये हड़ताल कर दी थी। यह घटना २८ सितंबर, १९९८ की है।

SHRI MOHAMMAD ALI ASHRAF FATMI (DARBHANGA): This is not correct, Sir.

डा. मुरली मनोहर जोशीः मेरे पास जो जानकारी है, मैं वही तो सदन के सामने रखूंगा।

हड़ताल ५ अक्तूबर, १९९८ को इस आश्वासन के बाद वापिस ले ली गई कि उनकी शिकायतों पर विचार किया जाएगा लेकिन उन्होंने १४ अक्तूबर, १९९८ से पुनः हड़ताल शुरु कर दी। उनके आन्दोलन को ध्यान में रखकर मैडिसिन फैकल्टी अनिश्चितकाल के लिये बंद कर दी गई। हड़ताली डॉक्टरों द्वार इसके बाद हादी हसन हॉल के अध्यक्ष के आवास पर धरना आरंभ कर दिया गया।

४ नवम्बर, १९९८ को जूनियर डॉक्टरों की मैस में दो समूहों के बीच अप्रिय झड़पें हुईं जिसमें १३ जूनियर डॉक्टर घायल हो गए। जूनियर डॉक्टरों का आरोप था कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष के इशारे पर शरारती तत्वों के एक समूह द्वारा उन पर हमला किया गया। इस घटना के बाद जूनियर डॉक्टर क़ुद हो गये तथा रेक्टर की कार को क्षतिग्रस्त कर दिया और सम-कुलपति के आवास का घेराव किया और उसे आग भी लगा दी। पुलिस की सहायता से स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया। विश्वविद्यालय को तब से अनिश्तिकाल के लिये बन्द कर दिया गया।

सरकार सदन के सदस्यों द्वारा व्यक्त इन विचारों से सहमत है कि तेजी से सामान्य स्थिति बहाल की जानी चाहिए तथा तदनुसार, कुलपति को सलाह दी गई है कि वह विश्वविद्यालय को पुनःखोलने के समुचित तथा अत्यावश्यक कदम तुरन्त उठाएं। कुलपति को यह सलाह भी दी गई है कि वे उच्च-न्यायालय के एक सेवानि वृत्त न्यायाधीश की सहायता लेकर इस पूरे घृणित प्रकरण की जांच करवाएं। सरकार जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार से भी संपर्क बनाए हुए है ताकि छात्रों में पुनः विश्वास की भावना पैदा की जा सके और सामान्य स्थिति बहाल करने हेतु जरूरी माहौल सुनिश्चित किया जा सके। मैं इस अवसर पर सभी माननीय सदस्यों से अपील करना चाहूंगा कि वे इस प्रक्रिया में अपना पूरा सहयोग दें।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सभापति महोदय, मैं केवल एक मिनट लूंगा। ... (व्यवधान)

सभापति महोदयः सरकार के बयान के बाद स्पष्टीकरण पूछने का कोई प्रावधान नहीं है।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : अभी जो अधिकार है।

... (व्यवधान)

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : मंत्री जी से वक्तव्य के बाद प्रश्न पूछने का नियम में कोई प्रावधान नहीं हैं।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : सब एक साथ बोल रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : वहां के वाइस चांसलर को हटाकर निष्पक्ष जांच कराई जाए।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : सब एक साथ बोलेंगे, तो क्या सुनेंगे।

... (व्यवधान)

SHRI E. AHAMED (MANJERI): Sir, may I make a submission? ... (Interruptions) The hon. Minister has made certain facts. He has only placed the facts given to him by the Vice Chancellor. I was elected by this House to the Aligarh Muslim University Court last time, after 1996 election. Not even a single meeting of that Court has taken place. There was no democracy and no accountability. ... (Interruptions) The Minister did not tell the fact. The Government did not say what steps they are going to take to improve the situation, to open the University. ... (Interruptions) The Government has a moral authority and legal responsibility. Nothing has been done.

Sir, I am very much dissatisfied with the statement. ... (Interruptions)

सभापति महोदय : इस पर बहस नहीं होगी।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : मंत्री जी के ब्यान के बाद बहस का नियम में कोई प्रावधान नहीं है।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सारे डैमोक्रेटिक इन्स्टीचूशन को बर्बाद कर दिया।

... (व्यवधान)

श्री मोहन सिंह (देवरिया): महोदय, वाइस चांसलर के आचरण की जांच भी जुडिशियल कमीशन करे।

... (व्यवधान)

मैं कहना चाहता हूं कि वाइस चांसलर के आचरण की भी जांच जज साहब करें। इस बात को जोड़ने में सरकार को ऐतराज क्यों है। वाइस चांसलर के आचरण की भी जांच हो।

... (व्यवधान)

श्री चन्द्रशेखर साहू (महासुमन्द): सभापति महोदय, यह जो संशोधन विधेयक १९९८ प्रस्तुत हुआ है इस पर गंभीरता और संजीदगी से चर्चा होनी चाहिए।

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : नियम में कोई प्रावधान नहीं है।

PROF. P.J. KURIEN (MAVELIKARA): Sir, I seek your indulgence regarding the statement made by the Minister. The statement shows very callous and indifferent attitude of the Government. (Interruptions).

DR. LAXMINARAYAN PANDEY (MANDSAUR): I am raising a point of order. (Interruptions).

PROF. P.J. KURIEN : Under what rule? (Interruptions).

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर) : महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। जब कभी ऐसी चर्चा चल रही हो और आपने विशेष अनुमति द्वारा मंत्री जी को बुलाया हो। ... (व्यवधान) उन्होंने वक्तव्य भी दिया।

... (व्यवधान)

वक्तव्य देने के बाद रूल के मुताबिक ऐसा नहीं है कि किसी प्रकार का कोई स्पष्टीकरण या चर्चा हो। मैं इस पर आपकी रूलिंग चाहता हूं। इस प्रकार की चर्चा को रोका जाए और जो विधेयक पर चर्चा चल रही है उसको जारी किया जाए।

... (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : उसमें वाइज़ चांसलर के कंडक्ट को रखा जाएगा या नहीं?

... (व्यवधान)

PROF. P.J. KURIEN : I am only submitting that the statement made by the hon. Minister...

सभापति महोदय : इस पर नियम में बहस का कोई प्रावधान नहीं है।

PROF. P.J. KURIEN : You please sit down.

SHRI MOHAN SINGH : Why should I sit? Are you the Chairman? (Interruptions).

PROF. P.J. KURIEN : Why are you taking so much of time?

SHRI MOHAN SINGH : You are taking so much time.

मैं सभापति महोदय से कह रहा हूं। यह मुझे बैठाने वाले कौन होते हैं, हम क्यों बैठें? मैं मंत्री जी से केवल यह बात जानना चाहता हूं कि यह जूडिशियल कमीशन, जूडिशियल इंक्वायरी की बात कर रहे हैं, क्या उसमें वाइज़ चांसलर के कंडक्ट की भी जांच कराएंगे। इतनी सी बात के लिए इतना समय नष्ट हुआ है। मंत्री जी एक शब्द में कह सकते हैं कि कराएंगे।

SHRI RAM VILAS PASWAN : Vice-Chancellor is himself a party to it and you are denying his conduct. (Interruptions).

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सभापति महोदय, मुझे एक मिनट बोलने का मौका दिया जाए। मामला सिर्फ एक इंसीडेंट का नहीं है, इनके वाइज़ चांसलर के पूरे टेन्योर का है। जिसकी वजह से आज यह स्थिति बनी है कि वाइज़ चांसलर का जो दौर है उसके अंदर चार मर्तबा यूनिवर्सिटी बंद हुई, सैंकड़ों लड़के यूनिवर्सिटी से निकाले गए। वह वहां डिक्टेटर की तरह कर रहा है। वह न आपके पार्लियामेंट के बनाए हुए कानून को कुछ समझता है। पार्लियामेंट ने कानून बनाया है कि बड़े मुल्कों में कोर्ट फैसला करेगी लेकिन वहां तीन साल से कोर्ट की मीटिंग नहीं हुई।

... (व्यवधान)

मेरा यह कहना है कि सीबीआई की इंक्वायरी हो, यूनिवर्सिटी खोली जाए।

सभापति महोदय : श्री साहू के अलावा किसी का रिकार्ड पर नहीं जाएगा।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : जो दोषी हैं उन पर एक्शन हो। हम लोग वाकआउट करने के लिए मजबूर होंगे। हम मजबूर होकर सदन का बायकाट कर रहे हैं।

(व्यवधान) ।

---

* Not recorded

SHRI P.M. SAYEED (LAKSHADWEEP): (Interruptions) The Vice-Chancellor has to be asked to function properly.

डा. शफीकुर्रहमान बर्क (मुरादाबाद) : सभापति जी, ये मुस्लिम यूनिवर्सिटी को बर्बाद करना चाहते हैं।

... (व्यवधान)

डा. शकील अहमद (मधुबनी) : सभापति जी, ये मुस्लिम यूनिवर्सिटी को बर्बाद कर रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : ये मुस्लिम यूनिवर्सिटी को बर्बाद करना चाहते हैं।

... (व्यवधान)

डा. शफीकुर्रहमान बर्क : सभापति जी, हमारी बात पर अमल नहीं किया जा रहा है, इसलिए हम सदन का बहिष्कार करते हैं। वी.सी. के खिलाफ इंक्वायरी करायी जाए।

17.16 hrs.

एक सदस्य होने की स्थिति में 'तथा कुछ अन्य माननीय सदस्यों' मिटाएं।

(At this stage Dr. Shafiqur Rahman Barq and some other

hon. Members left the House)

श्री चन्द्रशेखर साहू (महासुमन्द): सभापति जी, इस सदन में एक बहुत महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा हो रही है।

PROF. P.J. KURIEN (MAVELIKARA): I have been trying for the last l5 minutes to say something. Kindly allow me to say something.

SHRI E. AHAMED (MANJERI): I am also walking out in protest.

1717 hours

(At this stage, Shri E. Ahamed left the House.)

PROF. P.J. KURIEN (MAVELIKARA): Only one minute please. (Interruptions)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): आप नहीं बोलेंगे। आसन ने इनको पुकारा है, आपको नहीं।

सभापति महोदय : प्रभुनाथ सिंह, हम फैसला करेंगे, आप बैठ जाइये।

श्री चन्द्रशेखर साहू : सभापति जी, इनकी सारी बातें हो गयी हैं, हमें बोलने दीजिए। आपने हमारा नाम पुकारा है।

PROF. P.J. KURIEN (MAVELIKARA): You have not addressed to the real issues in the Aligarh Muslim University. You bypassed the real issues and unfortunately your statement is one-sided. That is why all the Members are agitated. It is the duty of the Government to maintain normalcy in that University and no action is being taken in that regard. Instead, they are encouraging a person who is functioning as the Chief Executive of

the University to create trouble in the University. So, we are not satisfied with the statement. So, the Congress Party is also staging a walk out in protest against the indifferent attitude towards the Aligarh Muslim University.

डा. शकील अहमद (मधुबनी) : आप जान-बूझकर यूनिवर्सिटी को बर्बाद करना चाहते हैं।

... (व्यवधान)

1718 hours

(At this stage, Prof. P.J. Kurien and Shri Mohammad Ali Ashraf Fatmi and

some other hon. Members left the House.)

श्री चन्द्रशेखर साहू : सभापति महोदय, आधा घंटा हो गया, इस पर जबर्दस्ती चर्चा हुई है। मैं अपनी बात कहना चाहता हूं। यह जो भू-अर्जन अधिनियम पर संशोधन की बात चल रही है उस पर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

... (व्यवधान)

SHRI VARKALA RADHAKRISHNAN (CHIRAYINKIL): Mr. Chairman, in protest I have to say something. The statement is one-sided. I am also, on behalf of the CPI(M), joining the walk out.

1719 hours

(At this stage, Shri Varkala Radhakrishnan left the House.)

18.04 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on

Monday, December 7, 1998/Agrahayana 16, 1920 (Saka)